भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †1255

सोमवार, 28 जुलाई, 2025/6 श्रावण, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

झारखंड के पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देना

†1255. डॉ. निशिकान्त दुबेः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार देश में पर्यटन को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान दे रही है;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा झारखंड राज्य में सरकार द्वारा क्या कार्य किए जा रहे हैं;

(ग) झारखंड में सरकार द्वारा पर्यटन के बिस्तार के लिए कितने प्रयास किए जा रहे हैं और इसकी कितनी संभावना है;

(घ) इस संबंध में सरकार द्वारा कितनी निधि स्वीकृत और उपयोग की गई है; और

(ङ) झारखंड के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यटन उद्योग के विस्तार के लिए सरकार द्वारा उठाए गए या उठाए जाने बाले प्रस्तावित कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ङ): पर्यटन स्थलों और पर्यटन उत्पादों का विकास और संवर्धन मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है। हालाँकि, पर्यटन मंत्रालय 'स्वदेश दर्शन (एसडी)', 'स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी2.0)', 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी)' - स्वदेश दर्शन की एक उप-योजना और 'तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' और 'पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता (एसीए)' नामक अपनी केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं के माध्यम से राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों/केंद्रीय एजेंसियों को निधि की उपलब्धता, योजना दिशानिर्देशों के अनुपालन और राज्य सरकार द्वारा विस्तृत परियोजना रिपोर्टों (डीपीआर) की प्रस्तुति आदि के अध्यधीन वित्तीय सहायता प्रदान करके पर्यटन अवसंरचना विकास के प्रयासों को संपूरित करता है। इसके अतिरिक्त, भारत सरकार ने 'पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई)' की अपनी पहल के तहत भी राज्यों को पर्यटन परियोजनाओं के विकास के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की है। पर्यटन मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन, प्रशाद,

सीबीडीडी और एसएएससीआई योजनाओं के तहत झारखंड राज्य को पर्यटन परियोजनाओं के विकास के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की है, जिसका ब्यौरा **अनुबंध में है।**

पर्यटन मंत्रालय सोशल मीडिया, प्रचार वेबसाइट, कार्यक्रमों आदि के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय और घरेलू बाजारों में झारखंड के पर्यटन गंतव्यों और पर्यटन उत्पादों सहित देश के विभिन्न पर्यटन गंतव्यों और उत्पादों का अपनी जारी संवर्धनात्मक गतिविधियों के भाग के रूप में नियमित रूप से बढ़ावा देता है।

इसके अलावा, अखिल भारतीय स्तर पर जनजातीय क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पर्यटन मंत्रालय ने हाल ही में राज्य सरकारों और संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों द्वारा प्रस्ताव तैयार करने के लिए टेम्पलेट के साथ-ही 'जनजातीय क्षेत्रों में होमस्टे के विकास' के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं।

******

अनुबंध

डॉ. निशिकान्त दुबे द्वारा झारखंड के पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देना के संबंध में दिनांक 28.07.2025 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न संख्या †1255 के भाग (क) से (ड.) के उत्तर में **विवरण**

एसडी, प्रशाद, सीबीडीडी और एसएएससीआई के तहत झारखंड राज्य में स्वीकृत परियोजनाओं की सूची:-

क्र.सं.	**परियोजना का नाम**	**परिपथ/ स्वीकृति वर्ष**	**स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)**
	स्वदेश दर्शन		
1.	पारिस्थितकी पर्यटन परिपथ: दलमा - बेतला राष्ट्रीय उद्यान - मिरचैया - नेतरहाट का विकास	पारिस्थितकी परिपथ 2018-19	30.44
	प्रशाद		
1.	बाबा बैद्यनाथ धाम , देवघर का विकास	2018-19	36.79
	सीबीडीडी		
1.	रामरेखा धाम , सिमडेगा में पर्यटन अवसंरचना का विकास	2024-25	18.87
	एसएएससीआई		
1.	कोडरमा में तिलैया" का पारिस्थितकीपर्यटन का विकास	2024-25	34.87

*****